

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	24/4/24	<p>पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी आधिकारता उन्मत्तकन चौधरी राजीर। अपार्थी आधिकारता भगवान सहाय यादव धागीरी। जकार अपार्थी पेश हो चुका है। प्रार्थन पत्र या उन्मत्तकन की वरस सुनी गई। वास्ते आदेश दिनांक 30/4/24 को पेश हो।</p>
30	4/24	<p>पत्रावली वास्ते आदेश केगुडी उन्मत्तकन की वरस पूर्व में सुनी जा चुकी है। प्रार्थी ने रिक्चु प्रार्थन पत्र में ऐसे कोई नवीन वरस उल्लेखित नहीं किया है जिससे इस न्यायालय के पूर्व आदेश का पुनर्वाचन करना पड़े। अतः प्रार्थन पत्र रिक्चु स्पष्टिज दिया जाना है। पत्रावली फिलहाल सुनी होकर नया सकारण है।</p>

*(Signature)*  
उपस्थित, यादव (अध्यापक)

*(Signature)*  
उपस्थित, यादव (अध्यापक)